

## में रोटी लेके नाथ दी चली

गाऊआ चारदा नाथ मिल जावे में रोटी लेके नाथ दी चली,  
भोला मुखड़ा नजर ना आवे में रोटी लेके नाथ दी चली,

साग सरो दा रोटी मकी दी बनाई में,  
घूम घूम देख आई सारी ही तलहाइ में,  
कोई लभ मेरे नाथ ले आवे में रोटी लेके नाथ दी चली,  
गाऊआ चारदा नाथ मिल जावे में रोटी लेके नाथ दी चली,

बोहड़ा थले डेक लाइ ओथे भी न लभेया,  
बनखंडी घूम आई ओथे भी न लभेया,  
भुधि रत्नो न दा दिल गबरावे में रोटी लेके नाथ दी चली,  
गाऊआ चारदा नाथ मिल जावे में रोटी लेके नाथ दी चली,

आखदे ने लोकि ओहता गुरनाझाडी आया दी,  
गोरखा दी मण्डली ने डेरा ओहनू पाया सी,  
जोगी मुंद्रा न कना विच पावे,में रोटी लेके नाथ दी चली,  
गाऊआ चारदा नाथ मिल जावे में रोटी लेके नाथ दी चली,

रिंकू तलाइयाँ वाला लभ लभ थकया,  
मेरा पौणाहारी सोनी गुफा विच वसेया,  
मई रत्नो अवाजा पई मार में रोटी लेके नाथ दी चली,  
गाऊआ चारदा नाथ मिल जावे में रोटी लेके नाथ दी चली,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10791/title/main-roti-leke-nath-di-chali>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |